महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
दूर शिक्षा निदेशालय
बी.एड. (सत्र 2016-18) चतुर्थ सेमेस्टर
सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थियों,

जिन प्रशिक्षुओं ने बी.एड. द्वितीय वर्ष में प्रवेश लिया है ऐसे सभी छात्रों की प्रवेश सूची विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर उपलब्ध है। प्रवेशित छात्रों को सूचित किया जाता है कि बी.एड. चतुर्थ सत्र के सत्रीय कार्य अपने आवंटित अध्ययन केंद्र पर लिखकर प्रस्तुत करें। बी.एड. **चतुर्थ सत्र** के सत्रीय कार्य निम्नानुसार हैं -

शिक्षा 041 – शिक्षा तकनीकी
शिक्षा 042 – शैक्षिक निर्देशन एवं परामर्श
शिक्षा 043 – ज्ञान एवं पाठ्यचर्या
शिक्षा 044 – पर्यावरण शिक्षा
शिक्षा 045 – जेंडर, विद्यालय एवं समाज

अथवा

शिक्षा 046- मानवाधिकार एवं शांति शिक्षा

उद्देश्य - सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जानना है कि आपने पाठयक्रम से संबंधित सामग्री को कितना पढ़ा, समझा और उसके विश्लेषण और मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है। सत्रीय कार्यों का उद्देश्य यह भी है कि पाठ्य सामग्री के अध्ययन के पश्चात आप उसके संबंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें और उन्हें अपने शब्दों में लिख सकें। इसका तात्पर्य यह है कि विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री को आप उसी रुप में प्रस्तुत न करें बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर व्यावहारिक रुप से सोच विचार कर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर में आपका अध्ययन, व्यावहारिक, आलोचनात्मक दृष्टि, रचनाओं के बारे आपकी अपनी समझ और भाषा पर आपका अधिकार व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन करते हुए परीक्षक इन सभी बातों को ध्यान में रखेंगे।

निर्देश – सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए –

1. अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएं सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता, और दिनांक लिखिए।
2. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की बाईं ओर पाठ्यक्रम का नाम, प्रश्न पत्र का शीर्षक एवं कोड संख्या स्पष्ट लिखे।

(Cover page) उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

अध्ययन केंद्र का नाम : .....

पंजीयन संख्या : .....

नामांकन संख्या : .....

नाम : .....

पता : .....

.....

.....

मो. : .....

ई-मेल : .....

दिनांक : .....

पाठ्यक्रम का नाम : बी.एड.

प्रश्न पत्र का शीर्षक : .....

प्रश्न-पत्र कोड : .....

विद्यार्थी हस्ताक्षर

1. प्रस्तुत सत्रीय कार्य को स्वयं मेरे द्वारा पूरा करने के पश्चात हस्ताक्षरित कर प्रस्तुत किया जा रहा है।
2. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप (A_4) आकार के कागज का इस्तेमाल करें और उन सभी कागजों में केवल एक तरफ का ही प्रयोग करें।
3. प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
4. अपनी हस्तलिपि (Hand written) में उत्तर दें।
5. सत्रीय कार्य अपने अभ्यास केंद्र पर जमा करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल, 2018 है।

प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें :

1. प्रश्नों में जो पूछा गया है उसको अच्छी तरह समझ कर उत्तर लिखें। जो नहीं पूछा गया है, उसे न लिखें। जितना पूछा गया है, उतना ही लिखें। आपका उत्तर सुसंगत, बोधगम्य और स्पष्ट हो।
2. अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की छाया प्रति अवश्य रखें।

शुभकामनाओं के साथ।

(पाठ्यक्रम संयोजक)

बी.एड.- चतुर्थ सेमेस्टर
सत्रीय कार्य : सत्र – 2016-18

अधिकतम अंक - 30

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा-041
प्रश्न पत्र : शिक्षा तकनीकी
अंतिम तिथि : 30 अप्रैल 2018 तक अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करें।

निर्देश : यह प्रश्नपत्र दो खंडो में विभक्त है प्रथम खंड में लघु उत्तरीय प्रश्नों से संबंधित 6 प्रश्न दिए गए है। जिसमें प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक एवं द्वितीय खंड दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का है जिसमें प्रत्येक के लिए 06 अंक निर्धारित किये है। सभी प्रश्न अनिवार्य है। सभी उत्तर स्वयं के द्वारा हस्तलिखित होना अनिवार्य है, प्रश्नों के उत्तर A4 साईज (आकार) के कागज की एक तरफ लिखें।

खंड – प्रथम
लघु उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 100-150) **06×02=12**

1. शैक्षिक तकनीकी का शिक्षा में क्या महत्व है ?
2. टेलीकांफ्रेंसिंगकी शिक्षण में उपयोगिता स्पष्ट कीजिये।
3. व्यक्तिगत अनुदेशन प्रणाली के उद्देश्य लिखिए।
4. ट्यूटोरियल नीति क्या है? इसकी विशेषताएं लिखिए|
5. सूक्ष्म शिक्षण के चरण कौन –कौन से है ? लिखिए ।
6. शिक्षण प्रतिमान क्या है ? समझाइये।

खंड – द्वितीय
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 500-600) **03×06=18**

1. अनुदेशन तकनीकी शिक्षण तकनीकी से किस प्रकार भिन्न है? स्पष्ट कीजिये ।
2. रेखीय अभिक्रमित अनुदेशन क्या है ?उसकी विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।
3. विकासात्मक प्रतिमान को विस्तार से समझाइये।

बी.एड.- चतुर्थ सेमेस्टर
सत्रीय कार्य : सत्र - 2016 - 18

अधिकतम अंक - 30

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा-042
प्रश्न पत्र : शैक्षिक निर्देशन एवं परामर्श
अंतिम तिथि : 30 अप्रैल 2018 तक अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करें |

निर्देश : यह प्रश्नपत्र दो खंडो में विभक्त है प्रथम खंड में लघु उत्तरीय प्रश्नों से संबंधित 6 प्रश्न दिए गए है | जिसमें प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक एवं द्वितीय खंड दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का है जिसमें प्रत्येक के लिए 06 अंक निर्धारित किये है | सभी प्रश्न अनिवार्य है | सभी उत्तर स्वयं के द्वारा हस्तलिखित होना अनिवार्य है, प्रश्नों के उत्तर A4 साईज (आकार) के कागज की एक तरफ लिखें |

खंड – प्रथम
लघु उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 100-150) **06×02=12**

1. विद्यालय में निर्देशन की आवश्यकता बताइए।

2. प्रकरण अध्ययन को स्पष्ट कीजिए।

3. मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन से आप क्या समझते हैं?

4. कुसमायोजन को स्पष्ट कीजिए।

5. परामर्श की विधियों को स्पष्ट कीजिए।

6. विशिष्ट बच्चों के लिए परामर्श अति आवश्यक है. स्पष्ट कीजिए।

खंड – द्वितीय
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 500-600) **03×06=18**

1. व्यक्तित्व परिक्षण से आप क्या समझते हैं ?स्पष्ट कीजिये।
2. व्यवसाय चयन एवं कर्मचारी चयन के विभिन्न चरणों की व्याख्या कीजिए।
3. समायोजन को स्पष्ट करते हुए उसके विविध क्षेत्रों को समझाइए।

बी.एड. (सत्र 2016-18) चतुर्थ सेमेस्टर
सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा – 043

प्रश्न पत्र : ज्ञान एवं पाठ्यचर्या

अंतिम तिथि : 30 अप्रैल 2018 तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें |

निर्देश : यह प्रश्नपत्र दो खंडो में विभक्त है प्रथम खंड में लघु उत्तरीय प्रश्नों से संबंधित 6 प्रश्न दिए गए है | जिसमें प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक एवं द्वितीय खंड दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का है जिसमें प्रत्येक के लिए 06 अंक निर्धारित किये है | सभी प्रश्न अनिवार्य है | सभी उत्तर स्वयं के द्वारा हस्तलिखित होना अनिवार्य है, प्रश्नों के उत्तर A4 साईज (आकार) के कागज की एक तरफ लिखें |

खंड - प्रथम
लघु उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 100-150) **06×02=12**

01. ज्ञान को परिभाषित कीजिये |
02. शिक्षण और प्रशिक्षण में अन्तर स्पष्ट कीजिये।
03. क्रिया-कलाप के विविध आयामों का उल्लेख कीजिये |
04. शिक्षा और समाज के अंतरसंबंध की व्याख्या कीजिये |
05. एक अच्छी पाठ्यपुस्तक के महत्व को स्पष्ट कीजिये |
06. पाठ्यक्रम और पाठ्यचर्या में क्या मूलभूत अंतर है|

खंड - द्वितीय
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 500-600) **03×06=18**

01. विद्यार्थी केंद्रित शिक्षा के विकास की प्रक्रिया का सविस्तार वर्णन कीजिये |
02. शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का मूलाधार है | इस कथन के परिप्रेक्ष्य में सामाजिक परिवर्तन में शिक्षा की भूमिका का समालोचनात्मक व्याख्या कीजिये|
03. पाठ्यक्रम की आवश्यकता एवं महत्व को स्पष्ट करते हुए पाठ्यक्रम के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिये|

बी.एड. (सत्र 2016-18) चतुर्थ सेमेस्टर
सत्रीय कार्य

अधिकतम अंक - 30

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा – 044

प्रश्न पत्र : पर्यावरण शिक्षा

अंतिम तिथि : 30 अप्रैल 2018 तक अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करें।

निर्देश : यह प्रश्नपत्र दो खंडों में विभक्त है प्रथम खंड में लघु उत्तरीय प्रश्नों से संबंधित 6 प्रश्न दिये गये है। जिसमें प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक एवं द्वितीय खंड दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का है जिसमें प्रत्येक के लिए 06 अंक निर्धारित किये है। सभी प्रश्न अनिवार्य है। सभी उत्तर स्वंय के द्वारा हस्तलिखित होना अनिवार्य है, प्रश्नों के उत्तर A4 साईज (आकार) के कागज की एक तरफ लिखें।

खंड प्रथम
लघु उत्तरीय प्रश्न
(अधिकतम शब्द सीमा 100-150)

06×10=12

प्रश्न 1. पर्यावरण का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न 2. पर्यावरण प्रदूषण के प्रकार बताइए।
प्रश्न 3. पर्यावरण क्लब के विषय में बताइयें।
प्रश्न 4. पर्यावरण के कौन-कौन से प्रमुख घटक है?
प्रश्न 5. प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण शिक्षा की कौन-कौन सी विधियाँ शिक्षण हेतु उपयोगी हो सकती है।
प्रश्न 6. पर्यावरण शिक्षा में समाचार-पत्रों की भूमिका स्पष्ट कीजिये।

खंड द्वितीय
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न
(अधिकतम शब्द सीमा 500-600)

03×06=18

प्रश्न 1. पर्यावरण जागरूकता में अध्यापक के उत्तरदायित्वों को स्पष्ट कीजिये।
प्रश्न 2. वनोंमूलन के प्रमुख कारण एवं पर्यावरण पर इसके प्रभाव की व्याख्या कीजिये।
प्रश्न 3. पर्यावरण शिक्षा के उद्देश्य आवश्यकता एवं महत्व पर प्रकाश डालिये।

बी.एड.- चतुर्थ सेमेस्टर
सत्रीय कार्य : सत्र - 2016 - 18

अधिकतम अंक - 30

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा 045
प्रश्न पत्र : जेंडर, विद्यालय एवं समाज
अंतिम तिथि : **30 अप्रैल 2018** तक अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करें।

निर्देश : यह प्रश्नपत्र दो खंडो में विभक्त है प्रथम खंड में लघु उत्तरीय प्रश्नों से संबंधित 6 प्रश्न दिए गए है। जिसमें प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक एवं द्वितीय खंड दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का है जिसमें प्रत्येक के लिए 06 अंक निर्धारित किये है। सभी प्रश्न अनिवार्य है। सभी उत्तर स्वयं के द्वारा हस्तलिखित होना अनिवार्य है, प्रश्नों के उत्तर A4 साईज (आकार) के कागज की एक तरफ लिखें।

खंड - प्रथम
लघु उत्तरीय प्रश्न
(अधिकतम शब्द सीमा 100-150) **06×02=12**

01. दुर्गाबाई देशमुख समिति के महिला शिक्षा से संबंधित सुझाव बताईये।
02. जेंडर एवं लिंग की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।
03. समाजवादी नारीवाद से आप क्या समझते है ?
04. जेंडर संवेदनशीलता की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।
05. स्त्रीवादी शिक्षणशास्त्र से आप क्या समझते हैं ?
06. विद्यालय अनुभवों की स्त्रीवादी दृष्टि से व्याख्या संक्षेप में करें।

खंड - द्वितीय
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न
(अधिकतम शब्द सीमा 500-600) **03×06=18**

01. जेंडर आधारित पहचान के विकास में विद्यालय की भूमिका स्पष्ट कीजिये।
02. रेडिकल नारीवाद एवं समाजवादी नारीवाद में अंतर स्पष्ट कीजिये। भारत में महिलाओं की शिक्षा के विकास की वर्तमान संदर्भ में समीक्षा कीजिये।
03. जेंडर समानता को बढ़ावा देने के लिए विद्यालय गतिविधियों का आयोजन किस प्रकार किया जाना चाहिए? अपने विचार प्रस्तुत करें।

बी.एड.- चतुर्थ सेमेस्टर
सत्रीय कार्य : सत्र - 2016 - 18

अधिकतम अंक - 30

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा-046
प्रश्न पत्र : मानवाधिकार एवं शांति शिक्षा
अंतिम तिथि : 30 अप्रैल 2018 तक अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करें |

निर्देश : यह प्रश्नपत्र दो खंडो में विभक्त है प्रथम खंड में लघु उत्तरीय प्रश्नों से संबंधित 6 प्रश्न दिए गए है | जिसमें प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक एवं द्वितीय खंड दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का है जिसमें प्रत्येक के लिए 06 अंक निर्धारित किये है | सभी प्रश्न अनिवार्य है | सभी उत्तर स्वयं के द्वारा हस्तलिखित होना अनिवार्य है, प्रश्नों के उत्तर A4 साईज (आकार) के कागज की एक तरफ लिखें |

खंड – प्रथम
लघु उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 100-150) **06×02=12**

1. वंचित वर्ग से आप क्या समझते हैं?

2. अल्पसंख्यक किसे कहते हैं? स्पष्ट कीजिए।

3. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार के लिए किये जाने वाले प्रयास की समीक्षा कीजिए।

4. संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना के उद्देश्य बताइए।

5. उग्रवाद की अपने शब्दों में व्याख्या कीजिये।

6. शांति शिक्षा के प्रसार में विद्यालय की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

खंड – द्वितीय
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 500-600) **03×06=18**

1. मानवाधिकार से आप क्या समझते हैं? इसकी विस्तृत व्याख्या कीजिए।
2. भारत में शांति शिक्षा के लिए किये जाने वाले प्रयासों की व्याख्या कीजिए।
3. शांति शिक्षा के सन्दर्भ में भारतीय दार्शनिकों के विचारों की समीक्षा कीजिए।